Eklavya University

Damoh (M.P.)

Bachelor of Arts

(B.A. – III YEAR)

Sanskrit

NEP 2020

Curriculum

(2023-2024)

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञानप्राप्ये लक्ष्यसन्धानम्

संस्कृत का पाठ्यक्रम

भाग अ – मेजर प्रश्न पत्र–1

कार्यक्रम : स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम	कक्षा : बी.ए.	वर्ष : तृतीय वर्ष	सत्र : 2023–2024

विषय – संस्कृत

1.	पाठ्यक्रम का कोड	EUA3-SANS-1D
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	गीता दर्शन, व्याकरण और भाषा विज्ञान
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / ...)	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (ग्रुप – ए) (पेपर 1)
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे : 1. निष्काम कर्म करने की प्रेरणा प्रदान करता है। 2. भारतीय संस्कृति में आत्मा के स्वरूप पर प्रकाश। 3. प्राचीन वर्णाश्रम की अवधारणा का अवबोध व वैशिष्ट्य। 4. प्राचीन गुरू शिष्य परम्परा का सम्यक् ज्ञान। 5. प्राचीन भारतीय जीवन पद्धति से छात्रों को अवगत कराना। 6. पितृभक्ति और अध्यात्म विद्या पर प्रकाश। 7. छात्रों को भाषा विज्ञान के विविध आयामों से परिचित कराना। 8. भारतीय एवं अन्य भाषाओं के ज्ञान और परिष्कार में सहायक।

Abhishay Jay Nidhi

6.	क्रेडिट मान	06	
7.	कुल अंक	अधिकतम अंकः 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंकः 35

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): **L-T-P : 3 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	**श्रीमद्भगवद्गीता** द्वितीय अध्याय – पाठ्यांश की व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न	18
द्वितीय	**मनुस्मृति नवनीतम्** पाठ्यांश की व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न	18
तृतीय	**कठोपनिषद् एवं ईशावास्योपनिषद्** सामान्य परिचय – (दोनों पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न)	18
चतुर्थ	**व्याकरण** लघुसिद्धांत कौमुदी – (अ) कृदन्तप्रत्यय अनीयर्, यत्, ण्यत्, क्त्वा, ल्यप्, क्त, तुमुन्, क्तवतु, शतृ, शानच् (ब) तद्धित प्रत्यय – अण्, मतुप्, इनि, त्व, तल, ढक् (स) स्त्री प्रत्यय – टाप्, डीन्	18
पंचम	**भाषा विज्ञान का स्वरूप, भाषा विज्ञान का महत्व तथा उपभाषा** भाषा विज्ञान की शाखाओं का परिचय – (अ) ध्वनि विज्ञान – 1 (ब) पद (रूप) विज्ञान – 1 (स) वाक्य विज्ञान – 1 (द) अर्थ विज्ञान – 1 (ई) प्रोक्ति विज्ञान – 1	18

सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग : श्रीमद्भगवद्गीता, मनुस्मृति नवनीतम्, कठोपनिषद् एवं ईशावास्योपनिषद्, व्याकरण लघुसिद्धांत कौमुदी, भाषा विज्ञान का स्वरूप, भाषा विज्ञान का महत्व तथा उपभाषा

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तके, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रन्थ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्रीः

1. श्रीमद्भगवद्गीता – शाङकर भाष्य, गीता प्रेस गोरखपुर
2. मनुस्मृति नवनीतम् – आचार्य रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. कठोपनिषद् – बैजनाथ पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13
4. ईशावास्योपनिषद् – व्याख्याकार विजयशंकर पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13

5. लघुसिद्धांत कौमुदी – आचार्य ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी 6. वृहदनुवादचंद्रिका – चक्रधर नोटियाल हंस, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13 7. रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी 8. भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा 9. भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी 10. भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी 11. भाषा विज्ञान – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी 12. लघुसिद्धांत कौमुदी – गोविन्दाचार्य, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 13. लघुसिद्धांत कौमुदी – दीनानाथ तिवारी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :
भाग द – आंकलन एवं मूल्यांकन
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आतंरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	कक्षा परीक्षण / असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रजेन्टेशन)	30
बाह्य आकलन : विश्वविद्यालय परीक्षा : समय – 03.00 घंटे	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70
कोई टिप्पणी / सुझाव :		

संस्कृत का पाठ्यक्रम

भाग अ — मेजर प्रश्न पत्र–2			
कार्यक्रम : स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम	कक्षा : बी.ए.	वर्ष : तृतीय वर्ष	सत्र : 2023–2024

विषय — संस्कृत

1.	पाठ्यक्रम का कोड	EU A3-SANS-2D
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	काव्य, छंद एवं अलंकार
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / ...)	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (ग्रुप – ए) (पेपर 2)
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (यदि कोई हो)	**इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।**
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे : 1. प्राचीन गुप्तचर व्यवस्था एवं आदर्श राजनीति के तत्वाज्ञान में सहायक। 2. आदर्श दाम्पत्य जीवन की प्रेरणा। 3. नाट्यकला एवं चित्रकला का अवबोध। 4. करुण रस के परिपाक की चरम अनुभूति कराने में सहायक। 5. भारतीय सांस्कृतिक जीवन मूल्यों का अभिवर्धन एवं पात्रों के मनोवैज्ञानिक चित्रण कराने में समर्थ। 6. भारतीय जीवन पद्धति के विविध पक्षों पर प्रकाश एवं राष्ट्रप्रेम की अवधारणा का पोशक। 7. आधुनिक संस्कृत कवि परम्परा के वैशिष्ट्य से छात्र परिचित होंगे। 8. नई पीढ़ी के लिए काव्य सर्जना में सहायक।
6.	क्रेडिट मान	06

7.	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P : 3 घंटे

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	**किरातार्जुनीयम्** प्रथम सर्ग – पाठ्यांश से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न। संपूर्ण रचना पर आधारित	18
द्वितीय	**उत्तर रामचरितम्** प्रथम अंक – पाठ्यांश से व्याख्या एवं सम्पूर्ण नाटक पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।	18
तृतीय	**नवस्पन्द** (अ) कवि परिचय 1. अप्पाशास्त्री राशिवडेकर 2. पंडिता क्षमराव 3. जानकी वल्लभशास्त्री 4. श्रीनिवासरथ 5. स्वामी 6. डॉ. रेवाप्रसाद द्विवेदी 7. डॉ. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी 8. डॉ. राजेन्द्र मिश्र 9. डॉ. भास्कराचर्य त्रिपाठी 10. डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी (ब) रचना परिचय 1. पंजरबद्धशुक 2. अन्त्यजोद्धार 3. भारती वसंतनीति 4. पुरुषार्थ संहिता 5. राघवाभ्युदयम् 6. रामपरिसंख्या 7. भावमाला 8. मृद्वीका 9. निर्झरणी 10. धीवरगीतम्	18
चतुर्थ	**संस्कृत काव्यविधाओं का परिचय** महाकाव्य, गीतिकाव्य, गद्यकाव्य, कथा साहित्य तथा चम्पूकाव्य	18
पंचम	**छन्द एवं अलंकार** अ – छन्द– अनुष्टुप्, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ, स्रग्विणी, वसंततिलका, मंदाक्रांता, शार्दूल विक्रकीडितम्, स्रग्धरा, ब – अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेश, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति, (काव्य प्रकाश से)	18

सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग : किरातार्जुनीयम्, उत्तर रामचरितम्, नवस्पन्द, संस्कृत काव्यविधाओं का परिचय, छनद एवं अलंकार

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तके, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रन्थ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री:

1. किरातार्जुनीयम् – (महाकवि भारवि विरचित) तारिणीश झा
2. उत्तररामचरितम् – (महाकवि भवभूतिकृत) डॉ. कृष्णकान्त
3. काव्यप्रकाश – (आचार्य मम्मटकृत) श्रीनिवास शास्त्री

Ashutosh Nidhi

4. उत्तर रामचरित – डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980
5. छन्दाऽलंकार सौरभम् – डॉ. राजेन्द्र मिश्र
6. छन्दोमंजरी (हिन्दी) – व्याख्याकार परमेश्वरी पाण्डेय, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 2007
7. राघवाभ्युदयम् – स्वामी रामभद्राचार्य
8. निर्झरिणी – डॉ. भास्कराचार्य त्रिपाठी
9. रामपरिसंख्या – डॉ. रेवाप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
10. मृद्वीका – डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, अक्षयवट, प्रकाशन, इलाहाबाद
11. भावमाला – डॉ. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी, श्री केशव स्मृति प्रकाशन, जगदीशपुर होशंगाबाद
12. अलंकारसर्वस्व – संजीवनी, रामचन्द्र द्विवेद मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13
13. अलंकार प्रकाश – जयन्त मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13
14. अलंकार प्रभा – जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13
15. छन्दःप्रभा – रामसम्मुख द्विवेदी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13
16. चंद्रालोक – जयदेव, व्याख्याकार सुबोधचन्द्र पंत, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13
17. छन्दोविंषतिका – रामचंद्र झा, चौखम्बा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
18. उत्तररामचरितम् – डॉ. जनार्दन पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – आंकलन एवं मूल्यांकन

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां :

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आतंरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	कक्षा परीक्षण / असाइमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रजेन्टेशन)	30
बाह्य आकलन : विश्वविद्यालय परीक्षा : समय – 03.00 घंटे	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70

कोई टिप्पणी / सुझाव :

Ashishsa Jay Nidh

358

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञानप्राप्ये लक्ष्यसन्धानम्

संस्कृत का पाठ्यक्रम (वैकल्पिक)

भाग अ – मेजर प्रश्न पत्र–1

कार्यक्रम : स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम	कक्षा : बी.ए.	वर्ष : तृतीय वर्ष	सत्र : 2023–2024

विषय – संस्कृत

1.	पाठ्यक्रम का कोड	EU A3-SANS-3D	
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	साहित्य शास्त्रीय चिंतन	
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / ...)	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (ग्रुप – ए) (पेपर 1)	
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।	
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे : 1. प्राचीन साहित्यशास्त्र की चिंतन परम्परा से छात्रों को परिचित कराना। 2. काव्यसर्जन हेतु का.शा. से मौलिक सिद्धांतों का ज्ञान कराकर छात्रों में अभिरुचि जागृत करना। 3. साहित्यशास्त्रीय विविध चिंतन परम्पराओं से छात्रों को अवगत कराना। 4. छात्रों को काव्यतत्वों का समग्रबोध कराना। 5. काव्य की सार्वजनीन और सार्वकालिक महिमा को रेखांकित करना। 6. छात्रों में कल्पनाशक्ति का विकास एवं काव्य सौंदर्य बोध कराना।	
6.	क्रेडिट मान	06	
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक:30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:35

Ashish Nidhi Jay

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P : 3 घंटे		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	प्रमुख साहित्य शास्त्रीय सम्प्रदाय परिचय।	18
द्वितीय	काव्य लक्षण हेतु और प्रयोजन।	18
तृतीय	काव्य के भेद और शब्दशक्तियाँ।	18
चतुर्थ	रस का स्वरूप और रस के भेद।	18
पंचम	काव्यगुण और रीतियाँ।	18

सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग : प्रमुख साहित्य शास्त्रीय सम्प्रदाय परिचय, काव्य लक्षण हेतु और प्रयोजन, काव्य के भेद और शब्दशक्तियाँ, रस का स्वरूप और रस के भेद, काव्यगुण और रीतियाँ।

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तके, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रन्थ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्रीः

1. काव्यालंकार – आचार्य भामहकृत।
2. काव्यप्रकाश – आचार्य मम्मट रचित।
3. साहित्यदर्पण – आचार्य विश्वनाथकृत।
4. साहित्यशास्त्र का इतिहास आचार्य बलदेव उपाध्याय
5. संस्कृत आलोचना – आचार्य बलदेव उपाध्याय
6. नाट्यशास्त्र – आचार्य भरतमुनिरचित।
7. संस्कृत काव्यशास्त्रीय इतिहास – जगदीचंद्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
8. भारतीय काव्यशास्त्र – राजवंशसहाय, हीरा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
9. काव्यशास्त्र का इतिहास – पी.वी. काणे
10. अलंकार शास्त्र का इतिहास – डॉ. कृष्णकुमार, साहित्य भण्डार, मेरठ
11. अलंकार शास्त्र का इतिहास – रामदेव साहू, पंचशील प्रकाशन जयपुर

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – आंकलन एवं मूल्यांकन

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां :

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंकः 70

Ashutosh Nidhi

आतंरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	कक्षा परीक्षण / असाइमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रजेन्टेशन)	30
बाह्य आंकलन : विश्वविद्यालय परीक्षा : समय – 03.00 घंटे	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70
कोई टिप्पणी / सुझाव :		

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञानप्राप्तये लक्ष्यसन्धानम्

संस्कृत का पाठ्यक्रम

भाग अ – मेजर प्रश्न पत्र–2

कार्यक्रम : स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम	कक्षा : बी.ए.	वर्ष : तृतीय वर्ष	सत्र : 2023–2024

विषय – संस्कृत

1.	पाठ्यक्रम का कोड	EUA3-SANS-4D
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	रूपक परिचय और प्रयोग
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल / ...)	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (ग्रुप – ब) (पेपर 2)
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे : 1. छात्र रूपकविधाओं और नाट्यतत्वों से परिचित हो सकेंगे। 2. नाटकीय विषय वस्तु के अवबोध तथा चयन में सहायक। 3. छात्रों में संवाद योजना एवं कथोपकथन की कला का विकास। 4. विविध पात्रों के स्वरूप एवं विशेषताओं का ज्ञान कराना। 5. अभिव्यक्ति कौशल का विकास। 6. विविध नाट्यरसों के ज्ञान में सहायक। 7. अभिनयक्षेत्र एवं रंगमंचीय कला कौशल का विकास।
6.	क्रेडिट मान	06
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक:30+70 ; न्यूनतम उत्तीर्ण अंक:35

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P : 3 घंटे		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	रूपक का स्वरूप, प्रकार, आवश्यकता तथा महत्व।	18
द्वितीय	कथावस्तु स्वरूप और भेद।	18
तृतीय	पात्रयोजना।	18
चतुर्थ	रसयोजना।	18
पंचम	रूपक प्रयोग– (अ) रंगमंच स्वरूप, परिचय, भेद (ब) अभिनय कला परिचय व प्रयोग नोट – संस्कृत का द्वितीय वर्ष में मेजर और माईनर (पूर्वापेक्षा) प्रश्न पत्रों के रूप में अध्ययन किया गया हैं।	18
सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग : रूपक का स्वरूप, प्रकार, आवश्यकता तथा महत्व, कथावस्तु स्वरूप और भेद, पात्रयोजना, रसयोजना, रूपक प्रयोग,		
भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तके, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		
अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रन्थ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री: 1. दशरूपकम् – आचार्य धनंजय रचित। 2. साहित्यदर्पण – आचार्य विश्वनाथकृत। 3. नाट्यदर्पण – भरतमुनि विरचित। 4. नाट्यदर्पण – रामचंद्र गुणचंद्र कृत। 5. नाट्यशास्त्र का इतिहास – डॉ. पारसनाथ द्विवेदी 6. संस्कृत नाटक – ए.बी. कीथ 7. संस्कृत नाट्यकोश – चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 8. संस्कृत नाट्यसिद्धांत – रमाकांत त्रिपाठी, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी 9. संस्कृत नाट्यकला – डॉ. रामलखन शुक्ल, मोतीलाल, बनारसीदास, वाराणसी 10.नाट्यशास्त्र एवं रंगमंच – डॉ. रामसागर त्रिपाठी, अशोक प्रकाशक, दिल्ली। 11.रंगमंच–रामचंद्र, सरोज साहित्य भण्डार, इलाहाबाद। 12.संस्कृत नाटक और रंगमंच – डॉ. भगवतीलाल पुरोहित, षिवालिक प्रकाषन, दिल्ली, 2003		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :		
भाग द – आंकलन एवं मूल्यांकन		

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70		
आतंरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	कक्षा परीक्षण / असाइमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रजेन्टेशन)	30
बाह्य आकलन : विश्वविद्यालय परीक्षा : समय – 03.00 घंटे	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70
कोई टिप्पणी / सुझाव :		

EKLAVYA UNIVERSITY
ज्ञानप्राप्त्ये लक्ष्यसन्धानम्

संस्कृत का पाठ्यक्रम

भाग अ – माईनर प्रश्न पत्र–2

कार्यक्रम : स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम	कक्षा : बी.ए.	वर्ष : तृतीय वर्ष	सत्र : 2023–2024

विषय – संस्कृत

1.	पाठ्यक्रम का कोड	EUA3-SANS-2T
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	संस्कृत खण्ड काव्य
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/...)	डिसिप्लिन स्पेसिफिक इलेक्टिव (ग्रुप – ब) (पेपर 2)
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite) (यदि कोई हो)	**इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय का अध्ययन डिप्लोमा में किया हो।**
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	इस पाठ्यक्रम के सफल समापन पर, विद्यार्थी निम्न में सक्षम होंगे : 1. गीतिकाव्य विधा का अवबोध कराना। 2. संदेश और दौत्य प्रेषण की कला का विकास। 3. भारत के सांस्कृतिक भूगोल से छात्रों को अवगत कराना। 4. छात्रों में कल्पना शक्ति और रचनाधर्मिता का विकास 5. प्रेमतत्व और सौन्दर्य की उत्कृष्टता का बोध। 6. संस्कृत कवियों की रसाभिव्यंजना से परिचित कराना। 7. प्रकृतिस्वरूप की विविधता का बोध
6.	क्रेडिट मान	06
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक: 30+70 — न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): **L-T-P : 3 घंटे**		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	खण्ड काव्य का लक्षण एवं प्रमुख खण्ड काव्यों का सामान्य परिचय।	**18**
द्वितीय	ऋतुसंहार – (महाकवि कालिदास) ग्रीष्मवर्णन 1 से 20 पद्य व्याख्या एवं सम्पूर्ण ऋतुसंहार पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।	**18**
तृतीय	मेघदूतम – (महाकवि कालिदास) 1 से 30 पद्य व्याख्या तथा सम्पूर्ण रचना पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न	**18**
चतुर्थ	(अ) भृंगदूतम – पूर्वभाग (स्वामी रामभद्राचार्य रचित) 1–20 तक पद्य व्याख्या एवं समस्त रचना पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न। (ब) देवदूतम – पूर्वभाग (सुधाकर शुक्ल रचित) – 1–20 पद्य व्याख्या एवं समस्त रचना पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न।	**18**
पंचम	उपर्युक्त रचनाकारों का व्यक्तित्व एवं कर्तृव्य। नोट – संस्कृत का द्वितीय वर्ष में मेजर और माईनर (पूर्वापेक्षा) प्रश्न पत्रों के रूप में अध्ययन किया गया हैं।	**18**
सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग : खण्डकाव्य का लक्षण एवं प्रमुख खण्डकाव्यों का सामान्य परिचय, ऋतुसंहार, मेघदूतम, भृंगदूतम– देवदूतम, रचनाकारों का व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व		
भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन		
पाठ्य पुस्तके, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन		

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रन्थ / अन्य पाठ्य संसाधन / पाठ्य सामग्री :

1. मेघदूतम् – महाकवि कालिदास।
2. ऋतुसंहारम् – महाकवि कालिदास।
3. भृंगदूतम् – स्वामी रामभद्राचार्य।
4. देवदूतम् – पं. सुधाकर शुक्ल, कविकलाय दतिया।
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय।
6. संस्कृत साहित्य का इतिहास, कपिलदेव द्विवेदी।
7. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी।
8. संस्कृत साहित्य की रूपरेखा डॉ. नानूराम व्यास।
9. देवदूतम् की समीक्षा – डॉ. सीताराम रावत
10. संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि
11. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, आचार्य रामजी उपाध्याय, प्रकाशन – रामनारायण लाल विजय कुमार, कटरा रोड, इलाहाबाद।
12. संस्कृत साहित्य की दूतकाव्य परम्परा, आचार्य केशव प्रसाद मुसलगांवकर।
13. संस्कृत के संदेश काव्य – डॉ. रामकुमार आचार्य, अजमेर, राजस्थान।
14. संस्कृत दूत काव्य परम्परा – डॉ. रूद्रदेव त्रिपाठी, मंदसौर।
15. संस्कृत गीतिकाव्य का विकास – डॉ. परमानंद मिश्र, विवेक प्रकाशन, अलीगढ़।
16. रामायण – महर्षि वाल्मीकिकृत।

Ashutosh

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :		
भाग द – आंकलन एवं मूल्यांकन		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70		
आतंरिक मूल्यांकन सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	कक्षा परीक्षण / असाइमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेन्टेशन)	30
बाह्य आकलन : विश्वविद्यालय परीक्षा : समय – 03.00 घंटे	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	70
कोई टिप्पणी / सुझाव :		